हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 21 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 21.5 डिग्री

11 बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रतिबद्ध प्रदेश सरकार: आरती

12 सड़कों पर बम-बम भोले की जयकार, 23 को शिव मंदिरों में चढेंगी कांवड़, कांवडियों का आना हुआ शुरू

खबर संक्षेप

सड़क हादसे का आरोपी चालक गिरफ्तार

कुंड। थाना खोल पुलिस ने सड़क हादसे के बाद फरार हुए गाड़ी चालक को गिरफ्तार किया है। गत 15 जुलाई को खोल के पास हुए हादसे में एक व्यक्ति घायल हो गया था। उसके बयान पर पुलिस ने गाड़ी चालक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में बिहार के शोभनगर निवासी पंकज को गिरफ्तार कर लिया। तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गत वर्ष महिला की शिकायत पर दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। महिला ने ससुराल पक्ष के लोगों को दहेज के लिए प्रताड़ति करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए थे। समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने 10 जुलाई को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने अनाजमंडी निवासी गौरव को गिरफ्तार किया है। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

निवारक कार्रवाई के तहत गिरफ्तार

खोल। थाना खोल पुलिस ने झगड़े की आशंका को देखते हुए मंदोला गांव के एक व्यक्ति को निवारक कार्रवाई के तहत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मंदोला निवासी जगजीत गांव में झगड़े की आशंक पैदा कर रहा था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे मौके पर जाकर गिरफ्तार कर लिया। निवारक अधिनियम के तहत उसे हवालात में बंद किया गया। अगले दिन सुबह उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

दो घंटे तक बाधित रहे संचार सेवा

रेवाड़ी। रविवार को सर्वर में आई खराबी के कारण बीएसएनएल की इंटरनेट सेवा सुबह करीब 2 घंटे तक बाधित रही। निगम सूत्रों ने बताया कि सुबह करीब साढ़े 10 बजे सर्वर में तकनीकी खराबी आ गई थी। इससे सैकड़ों इंटरनेट यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। ब्रॉडबैंड सेवा ठप रहने के कारण निगम के उपभोक्ता परेशान रहे। दोपहर करीब 12 बजे सर्वर की खराबी को दूर किया गया, जिसके बाद इंटरनेट सेवा बहाल हो गई।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी काबू

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। कई बार काउंसलिंग कराने के बाद भी बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 21 जून को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इस मामले में पुलिस ने हीरक निवासी सतेंद्र राणा को काबू कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

प्राकृतिक शिव मंदिर में मेला, भंडारा 23 को

रेवाड़ी। गांव प्राणपुरा, आलियावास, चिमनावास व कढ़ू भवानीपुरा की सीमा पर स्थित प्राकृतिक शिव मंदिर में 23 जुलाई को शिवरात्रि पर मेला, भंडारा व रागनी कम्पीटिशन का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि यहां प्राकृतिक शिवलिंग है, जिससे आसपास के दर्जनों गांवों की आस्था जुड़ी हुई है। शिवरात्रि पर सैकड़ों श्रद्धालु यहां कांवड़ चढ़ाने व जलाभिषेक करने आते हैं। उन्होंने कहा कि 23 जुलाई को हवन-हज्ञ से मेले का शुभारंभ किया जाएगा। मेले का शुभारंभ मुख्यातिथि जिला परिषद के चेयरमैन मनोज यादव करेंगे।

बार-बार बरसात के कारण आने लगी फसलों में रोग की शिकायतें

जड़ गलन रोग का प्रकोप शुरू, बाजरे की फसल को खतरा, ज्यादा बारिश से बढ़ेगा नुकसान

■ खेतों में जलभराव को रोकने का प्रयास करें किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। एक किसान के खेत में खड़ी बाजरे और कपास की फसल। फोटो :हरिभूमि

सावन माह में बार-बार हो रही बरसात का कपास और बाजरे की फसलों को वैसे तो अच्छा फायदा मिल रहा है, लेकिन खेत में पानी एकत्रित होने से बाजरे की फसल जड़ गलन रोग की चपेट में आने लगी है। किसानों को रोग दिखाई देने पर विशेषज्ञों की सलाह से ही फसल का उपचार करना चाहिए। मौसम विभाग की ओर से 21 जुलाई से फिर बारिश शुरू होने की संभावना जताई गई है, जिससे जलभराव फसलों को ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है। इस बार जुलाई माह में जिले में औसत 300 एमएम तक बरसात होने का अनुमान है। सावन माह शुरू होने से पहले ही बारिश शुरू हो गई थी। इसके बाद लगातार रुक-रुककर बारिश हो रही है। भारी बारिश के कारण बीते सप्ताह खोल खंड में कई गांवों में फसलों को काफी नुकसान हुआ था। उसके बाद भी बारिश का दौर रुका नहीं है। लगभग हर दिन हल्की बारिश या बूंदाबांदी होती रही है। किसानों ने खरीफ की प्रमुख फसलों के रूप में बाजरे की बिजाई 91 हजार और कपास की बिजाई लगभग 8 हजार हेक्टेयर जमीन पर की हुई है। अभी तक दोनों फसलों का बारिश के कारण तेजी से विकास हुआ है, जिससे अच्छा उत्पादन होने की संभावना जताई जा रही है। कपास की फसल को अभी तक कोई नुकसान नहीं हुआ है। जिन खेतों में जलभराव हुआ, उनमें जड़ गलन रोग के लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

क्षेत्र के कृषि अधिकारी से करें संपर्क

कृषि विभाग के एसडीओ डा. दीपक यादव ने बताया कि इस रोग में बाजरे की जड़ गल जाती है, जिससे पौधे का ऊपरी हिस्सा सूखने लगता है। उन्होंने बताया कि ऐसे ही लक्षण एक अन्य रोग के भी हैं, इसलिए किसानों को कृषि विशेषज्ञों को सैंपल दिखाने के बाद ही फसल का उपचार करना चाहिए।

गलत दवा का इस्तेमाल फसल को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने बताया कि मौसम के कारण अभी तक कपास की फसल पर किसी रोग के लक्षण नजर नहीं आए हैं। किसानों को इस समय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खेत में किसी भी सूरत में जलभराव नहीं हो।

आज से दो दिन बरसात का संभावना

मौसम का मिजाज बार-बार बदल रहा है। कभी आसमान में बादल छाने के बाद बूंदाबांदी होती है, तो कभी तेज धूप खिलकर उमस को बढ़ाती है। रविवार को सुबह के समय आसमान साफ रहने के कारण दोपहर तक उमस भरी गर्मी ने लोगों को जमकर परेशान किया। हवा में नमी का स्तर 80 फीसदी तक होने के कारण पसीने निकालते रही। तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार सप्ताह के शुरूआती दो दिनों में एक बार फिर आसमान में बादलों के बीच मध्यम से भारी बरसात हो सकती है।

शाम के समय आसमान में छाए बादल

दोपहर बाद तक तेज धूप ने जहां लोगों को उमस भरी गर्मी से परेशान किया, तो शाम के समय आसमान में बादल गहरा गए। इससे जल्द बारिश की संभावना नजर आने लगी। शाम के समय मौसम सुहाना होने से गर्मी से कुछ हद तक राहत मिल गई। किसानों के लिए मौसम अभी तक लाभदायी साबित हो रहा है। फसलों की सिंचाई से छुटकारा मिला हुआ है। इस समय अगर भारी बारिश होती है, तो इससे फसल नुकसान की आशंका बन जाएगी। मौसम अनुकूल रहने के कारण बिजली की मांग में भी कमी दर्ज की जा रही है, जिससे लोगों को पावर कटों से राहत मिली हुई है।

केंद्र की नीति के तहत नियुक्ति में आरक्षण की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

■ यूनिवर्सिटी के वीसी को भेजा ज्ञापन

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय महेन्द्रगढ़ ने हाल ही में निकाली गई रिक्तियों के लिए नौकरी में आरक्षण की व्यवस्था नहीं की है। आवाज फाउंडेशन ने वीसी को ज्ञापन भेजकर इंटरव्यू की तिथि बढ़ाने व केंद्र की पॉलिसी के अनुसार आरक्षण तय करने की मांग की है। फाउंडेशन के अध्यक्ष रामचंद्र रंगा व प्रदेश महासचिव सूबेदार मेजर सत्यनारायण सांभरिया ने वीसी को भेज ज्ञापन में बताया कि 15 जुलाई को विज्ञापन के माध्यम से यूनिवर्सिटी ने 16 रिक्तियों के लिए जो आवेदन मांगे हैं, उनके एससी, एसटी व पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण नहीं दिया गया है। केन्द्र सरकार की आरक्षण पॉलिसी के मुताबिक अनुसूचित जाति को 15 प्रतिशत, अनुसूचित जन जाति को 7.5 प्रतिशत और पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। इस प्रकार आरक्षण पॉलिसी के मुताबिक 8 सीटें आरक्षित होनी चाहियें। यूनिवर्सिटी को तुरंत शुद्धिपत्र निकालकर इंटरव्यू की तारीख को आगे बढ़ाना चाहिए और तय आरक्षण सुनिश्चित करना चाहिए।

सीईटी अभ्यर्थियों के लिए चलेंगी स्पेशल बसें शटल बस सेवा भी उपलब्ध कराएगा विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा राज्य कर्मचारी आयोग की 26 व 27 जुलाई को आयोजित होने वाली सीईटी की परीक्षा में रेवाड़ी जिला के अभ्यर्थियों का परीक्षा केन्द्र जिला झज्जर एवं गुरुग्राम में है, जिसके मद्देनजर स्पेशल बसों का संचालन किया जाएगा। रोडवेज जीएम प्रदीप कुमार ने बताया कि जिला रेवाड़ी से सीईटी की परीक्षा के अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए डिपो ने शिफ्टों में 400 से अधिक स्पेशल बसें चलाने का निर्णय लिया है। जिला महेन्द्रगढ़ के अभ्यर्थी रेवाड़ी जिले के परीक्षा केंद्रों में परीक्षा देंगे। महेन्द्रगढ़ से आने वाले अभ्यर्थियों को बसें पार्किंग स्थल सेक्टर-18 में उतारेंगी।

रेवाड़ी। सामान्य बस स्टैंड का फोटो। फोटो :हरिभूमि

वहां से इन अभ्यर्थियों को उनके परीक्षा केन्द्र तक पहुंचाने के लिए डिपो शटल बस सेवा का संचालन करेगा। शटल बस सेवायें अभ्यर्थियों को पार्किंग स्थल से उनके परीक्षा केन्द्र तक लेकर जाएंगी एवं परीक्षा समाप्त होने पर अभ्यार्थियों को वापस उनकी बसों के पास पार्किंग स्थल पर छोड़ेंगी।

बाहर रूटों से कवर होंगे सभी परीक्षा केंद्र

रोडवेज डिपो ने प्राप्त परीक्षा केन्द्रों की सूची अनुसार शटल बस सेवा के रूटों की पहचान कर ली है तथा शटल बस सेवा के लिए 12 रूट बनाये गये हैं, जो जिला रेवाड़ी के सभी 70 परीक्षा केन्द्रों को कवर करेंगे। शटल बस सेवाओं के समय को निर्धारित करने के लिए सभी शटल बस सेवा मार्गों पर बसें भेजकर अभ्यास किया गया है, जो कि सफल रहा है। सभी शटल बस सेवाएं सुबह 6 बजे से शुरू होंगी।

मसीत के सुनीता हत्याकांड केस का पुलिस आज कर सकती है खुलासा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सुनीता का फाइल फोटो

■ लूट के इरादे से हत्या करने के संकेत, एक आरोपी को लिया हिरासत में

बीते शनिवार की रात मसीत गांव में हुई लगभग 48 वर्षीय महिला सुनीता की हत्या के मामले में पुलिस 21 जुलाई को खुलासा कर सकती है। आरंभिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि हत्या लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए की गई, जिसमें परिवार का ही एक करीब संदेह के घेरे में है। सीआईए ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की हुई है। महिला सुनीता का पति प्योरलाल बाहर नौकरी करता है। उसका बेटा अर्जुन पठानकोट में पढ़ाई कर रहा है। वह कुछ दिन पहले ही घर से पठानकोट गया था। शनिवार की रात उसने अपनी मां के पास फोन किया, तो उसने फोन नहीं उठाया। कई बार कौशिश करने के बाद भी फोन नहीं उठाया गया, तो अर्जुन ने पड़ोसी अजय को फोन लगाया। अजय सुनीता के घर पहुंचा तो वह खून से लथपथ फर्श पर मृत पड़ी हुई थी। उसने पड़ोसियों को मौके पर बुलाकर पुलिस को सूचना दी। जाटूसाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीन ऑफ क्राइम टीम को मौके पर बुलाया। सामान्य अस्पताल से शव का पोस्टमार्टम कराया गया। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने मामले की जांच के लिए कोसली सीआईए सहित पांच टीमों को जांच के लिए मैदान में उतारा हुआ है। हत्यारों का जल्द पता लगाकर काबू करने के निर्देश दिए हुए हैं।

जेवर व नकदी मिले घर से गायब

सुनीता का अंतिम संस्कार करने के बाद परिजनों ने जब मकान की तलाशी तो नकदी और जेवरात गायब मिले। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हत्या लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए की थी। परिवार का एक करीबी हत्या की रात सुनीता के घर से निकलता हुआ देखा गया था, जिस पर पुलिस को हत्या करने का संदेह है। संदेह के आधार पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। सीआईए के सूत्रों के अनुसार पुलिस मामले की गुत्थी सुलझाने के करीब पहुंच चुकी है। सोमवार को हत्याकांड का खुलासा किया जा सकता है।

हरियाली है तो जीवन में खुशहाली है: लक्ष्मण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था के तत्वावधान में रविवार को पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम 'एक पौधा मानवता के नाम' का आयोजन पंजाबी धर्मशाला में किया गया। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे।

इस मौके पर लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि अगर हरियाली है, तो जीवन में खुशहाली है। पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना जरूरी है। रमेश सचदेवा संरक्षक भारत विकास परिषद, धीरज शर्मा जांगड़ा राष्ट्रीय प्रवक्ता अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि पूरा पर्यावरण प्रदूषण की चपेट में आ चुका है। पूरे विश्व का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता जा रहा है। पेड़ों के कम होने से चहकते पक्षियों का कलरव व फूलों पर मंडराती रंग बिरंगी तितलियां लगता है पुराने समय की बातें हैं। लेकिन अब हमें प्रकृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए एक जुट होकर प्रयत्न करना होगा। अपने-अपने घरों को पेड़ पौधों से हरा-भरा करना होगा। सड़कों के किनारों पर वृक्षारोपण करना होगा। क्योंकि जहां हरियाली है वहां खुशहाली है। पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, समाजसेवी एडवोकेट दुष्यंत यादव व प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव ने कहा कि मानसून का मौसम है। हम सभी को अपने घरों में, गमलों में आंवला, तुलसी माता, कड़ी पत्ता, हारसिंगार, चांदनी, अजवाइन, गिलोय, एलोवेरा, मनी प्लांट इत्यादि औषधिय गुणों के पौधे लगाने चाहिए। यह घर में स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। हमारा परिवार की महिला प्रधान निशा सीकरी, समाजसेवी बहन आशा शर्मा व शिक्षा विद प्रीति कपूर ने कहा कि पाम प्लांट, स्पाइडर प्लांट, रबर प्लांट व बाम बाम्बु जैसे अनेकों सुंदर पौधे कमरे के अंदर लगाकर घर की हवा को शुद्ध कर सकते हैं।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद चीफ गेस्ट व अन्य। फोटो :हरिभूमि

यह रहे कार्यक्रम में मौजूद

गुरु तेग बहादुर शहीदी जत्थे के संयोजक सरदार कश्मीर सिंह, समाज सेवी हेमंत ग्रोवर, पर्यावरणविद् राजेंद्र गेरा व शिक्षा विद बलबीर अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आए हुए अतिथियों को गुणकारी पौधे भेंट किए। कार्यक्रम में मुख्यतः प्रवक्ता देवेंद्र कुमार, पुलकित ग्रोवर, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, सोनिया कपूर व प्रफुल्ल श्याम आदि इस मौके पर उपस्थित थे।

लोगों को नशे पर रोक लगाने के लिए निरंतर अभियान चलाया जा रहा

डीएसपी साइकिल चलाकर गुरूग्राम से पहुंचे लोगों को दिया नशे से बचाव का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। साइकिल से पहुंचे डीएसपी नशा नहीं करने की शपथ दिलाते हुए।

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से लोगों को नशे पर रोक लगाने के लिए निरंतर अभियान चलाया हुआ है। इसी कड़ी में रविवार को ब्यूरो के पुलिस उपाधीक्षक गजेंद्र कुमार के आदेश से शहर में नशे के विरूद्ध विशेष अभियान आयोजित किया गया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डीएसपी अशोक कुमार वर्मा साइकिल चलाकर रेवाड़ी पहुंचे। उन्होंने रविवार को गुरुग्राम से 59 किलोमीटर साइकिल चलाकर नशे के विरुद्ध संदेश दिया। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को एकत्रित कर उपस्थित जनसाधारण को सम्बोधित करते हुए बताया कि ब्यूरो हरियाणा में दो प्रकार से कार्य करता है। प्रथम अपराधियों को सलाखों तक पहुँचाना और दूसरा जागरूकता के माध्यम से नशा मुक्त समाज का निर्माण करना। उन्होंने बताया कि ब्यूरो द्वारा वर्ष 2023 में 3823 अभियोग अंकित कर 5930 अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चूका है जबकि वर्ष 2024 में 3330 अभियोगों में 5328 नशा तस्करों को सलाखों का मार्ग दिखाया गया है। इस वर्ष जनवरी से जून तक 1858 अभियोग अंकित करके 3051 अपराधियों को कारागार तक पहुँचाया गया है। इतना ही नहीं इस वर्ष नशा तस्करी में संलिप्त 87 लाख की संपत्ति जब्त की गयी है।

लौटे में नमक डालकर नशा न करने का वचन लिया

इतना ही नहीं दूसरा कार्य जागरूकता का किया जा रहा है ताकि कोई व्यक्ति नशे की दलदल में न चला जाए। इसीलिए जागरूकता अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत को ड्रग फ्री करने के लिए सरकार ने 1933 व हरियाणा के लिए 9050891508 नंबर जारी किया है। इस पर कोई भी व्यक्ति नशे के विरुद्ध गुप्त सूचनाएं देकर सच्चे नागरिक का कर्तव्य निर्वहन कर सकता है। उन्होंने लोगों से लौटे में नमक डालकर नशा न करने का वचन लिया।

नशीला पदार्थ स्मैक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। स्मैक के साथ गिरफ्तार आरोपी पुलिस टीम के साथ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

थाना मॉडल टाउन पुलिस ने ब्रास मार्केट में नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में खड़े दो युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 199 मिलीग्राम स्मैक बरामद की गई है। पुलिस ने बाइक को भी कब्जे में ले लिया। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अजय नगर निवासी राकेश और दीपक नशीला पदार्थ बेचने का धंधा करते हैं। दोनों ब्रास मार्केट में पीछे की ओर बाइक लेकर खड़े हैं। वह स्मैक बेचने की फिराक में हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। वहां पहुंचते ही दो युवकों ने बाइक लेकर निकलने का प्रयास किया, परंतु पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने अपना नाम राकेश और दीपक बताया। पुलिस ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में दोनों की तलाशी ली उनकी जेब से 199 मिलीग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार करने के बाद उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जी भर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था?

कहानी

डॉ. मनुहार शर्मा

बाबा की बुलेरी

जरा अलमारी को करीने से करने क्या बैठी कि यादों के दराज में सेंधमारी ही हो गई। अलमारी के दराज में एक से एक पुरानी, नयी चीजें ...कागज-पत्र, माला, गहने ...एक पूरा कबाड़खाना ही कह लो। किसी चीज में कोई तरतीब नहीं... लेकिन चीजों को देखते हुए एक सुकून सा मिल रहा है। जिंदगी इतनी तेजी से दौड़ी कि हांफना भी भूल गई। सुकून तो दूर की कौड़ी... घर गृहस्थी और नौकरी दोनों के बीच तवाजुन किसी सर्कस की नटनी से तो रत्तीभर भी कम नहीं... बस भागते-भागते खाओ, भागते-भागते सब कुछ... इंश्योरेंस की रसीद या कोई भी कागज ...यहां तक कि पीएच.डी की डिग्री भी... कन्वोकेशन के बाद रात को लौटे थे... जी भरके देखा भी नहीं ....कि दराज में रख दी ।

सुबह उठकर भाग गए अपनी-अपनी नौकरी पर। आज अजब इत्तेफाक है कि पिता दिवस है और तीन छुट्टियां एक साथ ...कि भीतर अजीब सी कैफियत है। डिग्री को जीभर के देख रही हूं कि आज बाबा होते तो कितने राजी होते कि मेरी बुलेरी ने सब पढ़ लिया है। उन दिनों तो खैर नहीं पता था कि बुलेरी उनके लिए कितना बड़ा अभिमान थी। हां.. यही नाम दिया था उन्होंने मुझे। बहुत छोटी थी तो बुल्ला कहते थे। बाद में दसवीं पास करते-करते बुल्ला से बुलेरी हो गई। आज सोचती हूं कि क्या बाबा को बाबा बुल्ले शाह की फकीरी का पता था? वह बहुत ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं थे। सो बुल्ले शाह के बारे में तो क्या ही जानते होंगे ,लेकिन वह उर्दू पढ़ना लिखना जानते थे। ...तो हो सकता है बाबा बुल्ले शाह के बारे में जानते हो और उनकी रूबाइयों और अलमस्त फकीरी से प्रभावित होकर मुझे नाम दिया हो बुलेरी। हालांकि उन दिनों जब उनकी देखा-देखी मुझे स्कूल में मेरी सहेलियां बुलेरी बुलाती तो मैं चिढ़ती थी ...कि नाम खराब कर रही हैं। एक बार तो बाबा फीस भरने आए तो हेड मास्टर के दफ्तर में जाकर बोले जी हमारी बुलेरी की फीस भरनी है। मास्टर जी तुरंत समझ गए लेकिन मैंने मां से उनको खूब डांट पड़वाई ...कि बच्ची का नाम लेकर नहीं बोल सकते ? वे ही... ही ...करके खिसियाते रहे। तब मुझे कहां पता था कि मैं उनकी बुलेरी ही हूं। आज कॉलेज और विश्वविद्यालय के दुनिया भर के कार्यक्रमों, बैनर, पोस्टर और निमंत्रण पत्रों पर बड़ी-बड़ी डिग्रियों के साथ मेरा नाम लिखा रहता है। विभाग अध्यक्ष की नेम प्लेट कमरे के बाहर लगी है , लेकिन बुलेरी कौन कहे? बुलेरी के लिए तो जैसे तरस ही गई हूं। मेरा बाबा के साथ एक अलग ही राब्ता रहा। घर में सबसे छोटी थी शायद इसीलिए ...या नहीं जानती क्यों ....उन्हें इतना भरोसा था मुझ पर ....कि कचेहरी से आते तो गली के नुक्कड़ से आवाज लगाते... बुलेरी ....। मैं स्कूल से आकर खाना खा रही होती और यह भी अजब इत्तेफाक कि आधा खा चुकी होती। बीच में उठती... उन्हें पानी देती ...वे थके होते उनके बगल से कागज पत्रों का थैला लेती... और कभी-कभी कैश भी होता... खूब सारे रुपए लेकर ...उनकी लकड़ी की अलमारी में रखती। उन्हें पानी देती फिर खाने बैठती... लेकिन वे चुप कहां बैठते? बुलेरी ...बुलेरी ...पुकारते रहते। बस जल्दी से खाना निबटाती। उन्हें गाय के दूध की छाछ, पुदीना डालकर पीनी होती... हालांकि मम्मी ने, बड़ी दीदी ने कई बार कोशिश की ... बाद में भाभी ने भी कोशिश की... कि मैं खा रही हूं तो वह उन्हें पानी... छाछ दे दें.... लेकिन उनकी रसाई बैठती ही नहीं। वह नुक्स निकालते ...,पानी ज्यादा ठंडा है ...पुदीना कम है छाछ में ....गिलास साफ नहीं है... और मम्मी को छोह आ जाता ...कहती ...यह तो चली जाएगी साल.. दो साल में ...फिर कौन देगा छाछ ? बहु से ही काम चलेगा ...इसलिए अभी से आदत डाल लो। सुनकर वे भावुक को जाते। तुरंत उनकी आंखें नम और नाक पौंछते रहते। अभी तो मेरी बेटी बहुत पढ़ेगी। जितनी भी क्लासें होती हैं... सब पढ़ेगी ...फिर बाद में भी इससे पूछूंगा कि शादी करवाएगी भी या नहीं। आज पीएच.डी की डिग्री को देख रही हूं तो याद आता है कि यदि वे होते तो आज फिर उनकी आंखें भीगती और नाक पौंछकर ,ऊपर देखकर कहते ....मेरी बुलेरी हमारे शहर में सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की हो गई है। एक दिन वे जाते-जाते बोलकर गए... बुल्ला बेटा! ...गाय की बछिया खुली घूम रही है और कपड़े तार पर सूख रहे हैं ...उतार कर रख देना या फिर बछिया को बांध देना। मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी ? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई.. ...लेकिन गनीमत कि कोई और शहर के दो आदमी उनके साथ थे ...एक मैनेजर थे ...बैंक के और दूसरे कोई स्कूल अध्यापक थे। जब पानी लेकर गई तो मेरी ही चर्चा थी कि मेरी बेटी इस साल बी.ए. कर देगी। इसको अगले साल किसी बड़े कॉलेज में दाखिला करवाऊंगा। जाने कितनी ही बातें हैं कि क्या-क्या याद करूं। उनके मुंह में दांत बहुत कम बचे थे। ज्यादातर दलिया, खिचड़ी या केला, पपीता खाकर पेट भर लेते थे। हम छुट्टी के दिन बाहर धूप में मूंगफली या चने खाते तो उनका मन करता। मैं चने या मूंगफली को अपने मुंह में आधे चबाकर उनके हाथ पर रख देती और वह बड़े मजे से खा लेते।

बी.ए. का रिजल्ट आया तो जैसे उन्होंने पूरे शहर को सिर पर उठा लिया... क्योंकि उनकी गुलेरी बी.ए. पास जो हो गई थी। विश्वविद्यालय में दाखिला करवाने खुद गए। फीस जमा कर दी। हॉस्टल की भी फीस भर दी। उन दिनों हमारे विभाग की अध्यक्ष एक सीनियर प्रोफेसर थी जो रिटायरमेंट के नजदीक थी। उनसे मिले ...हॉस्टल में खाना कैसा होता है? क्लास कहाँ-कहाँ लगती हैं ? तमाम बातों का जायज़ा लिया और चलने के लिए उठे तो दोनों हाथ जोड़कर ..उन सीनियर प्रोफेसर के सामने अवरुद्ध गले से बोले ....हमारी बुलेरी का ध्यान रखना जी...यह कभी बाहर नहीं रही। वह दृश्य आज भी मेरी आंखों में जब तब साकार हो जाता है कि ...एक पिता... बेटी का पिता ...किसी याचक सा... दीन होता है। क्योंकि वह अपनी बेटी से प्रेम करता है। सीनियर प्रोफेसर उनकी सरलता को देखकर स्वयं भी रोने लगी और रोते-रोते कहा ...आज से चालीस साल पहले... मेरे बाबा भी मुझे... ऐसे ही... किसी प्रोफेसर के पास छोड़कर गए थे। तब वे भी इतने ही भावुक और चिंतित थे। आप फिक्र ना करें। यह मेरी भी बेटी है और तब के बाद ...उन मैडम ने मुझे बुलेरी ही कहा।

> *मैंने सुना अच्छे से लेकिन छुट्टी वाले दिन कोई एक काम थोड़े ही होता है ..जहां भी.. जिस भी कमरे में जाओ, वहीं कोई ना कोई काम मेरा इंतजार कर रहा होता। भूल गई और आधे घंटे के बाद जब बाहर निकली तो बछिया उनके कुर्ते की लटकती बाजू को बड़े आराम से चबा रही थी। उस दिन खूब अफसोस हुआ कि बाबा को क्या जवाब दूंगी ? उस दिन खाना भी नहीं खाया गया ठीक से। दो बजे के बाद तो बस छिप ही गई ...कि सांस रोक कर सुनने लगी कि कब आएगी आवाज ....बुलेरीईईईईई..*

एम.ए. करते ही मुझे शिक्षा विभाग में नौकरी मिल गई तो वे खूब प्रसन्न हुए। हमारी ही लिस्ट में निखिल को भी जॉइनिंग मिली थी। मैंने इसी साल पत्राचार से एम.फिल. में प्रवेश लिया और साल भर में एम.फिल पूरी की। सुनकर वे खूब खुश हुए और कहा ...बेटा! तू सारी क्लासें पूरी कर दे। कोई क्लास मत छोड़ना। तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। उधर निखिल की पीएच.डी पूरी हुई लेकिन सालभर बाद मुझे मैटरनिटी लीव लेनी पड़ी और पहली डिलीवरी के बाद मैं आराध्या को लेकर घर गई तो वे काफी भावुक हुए। कचेहरी जाना अब छोड़ दिया था। पेड़ -पौधों की साज- संभाल कर लेते और ज्यादा समय घर पर ही रहते। हॉस्टल में सर्दियों की शुरुआत में ही गाजरपाक का लोहे का पीपा, लेकर पहुंच गए कि मेरी बेटी खाएगी। हालांकि पीपा व गाजरपाक का प्रयोग इतना सफल हुआ था कि बाकी लड़कियां बाद में कई दिनों तक पूछती रही थी कि तेरा पीपा खत्म हो गया या पापा जी फिर कब आएंगे?

उनकी उम्र काफी हो गई थी लेकिन समय पर नहाना-धोना, घूमना-फिरना, डायरी लिखना... अपने ज्यादातर काम अपने आप करना उनका शगल था। एक रात वे खाना खाकर आराम से सोए। रात को बिजली नहीं थी। वे शायद पानी पीने उठे होंगे। वे उठे तो अंधेरे में सामने रखी कुर्सी में उलझ कर गिर पड़े। पैर में फ्रैक्चर हुआ तथा रीढ़ की कोई नस ब्लॉक हो गई। तीन-चार दिन बाद ही पूरा शरीर सुन्न हो गया। वे बस देखते रहते ...ना बोल पाते ...ना हिल डुल पाते... डॉक्टर ने खूब कोशिश की ...कहा ऑपरेशन होगा ठीक हो जाएंगे। मुझे याद है आज भी ...वे ऑपरेशन के लिए दिल्ली जा रहे थे.. तो गाड़ी मेरे कॉलेज की तरफ से ही निकली गई। चपरासी ने बताया तो मैं क्लास में थी... जल्दी से बाहर भागी तो उनकी कार गेट के आगे ही दूसरी तरफ खड़ी थी। वे पिछली सीट पर लेटे थे। खूब कमजोर हो गए थे । बोल नहीं पा रहे थे। आंखों से आंसू बह रहे थे। मैं उनसे लिपटकर स्वयं को रोक नहीं पायी... सारे बांध तोड़कर ...खूब तबीयत से रोयी...फिर अचानक सोचा यह क्या कर रही हूं ? इससे तो उनको तकलीफ ही दे रही हूं। कहा ...बाबा! डॉक्टर से बात हुई है ...ठीक हो जाओगे... चिंता नहीं करनी है। उनका बायां हाथ बार-बार हिल रहा था ...जैसे उठाकर कुछ कहने की कोशिश में हों। भाई और ड्राइवर पानी-वानी लेने गए थे तो मैंने देखा हाथ में एक कागज का पुर्जा दबा है। पुर्जा हाथ से निकाल कर पढ़ा तो लिखा था.... तू जमीन जायदाद और रुपये पैसे में चौथे नंबर की... बराबर की हकदार है ...तेरी मर्जी के बिना तेरा हक कोई नहीं ले सकता... बिना झिझक मांग लेना। सबसे बड़ी क्लास पास करना। पढ़ती रहना। दुखी मत होना। अब शायद ही लौट कर आऊंगा। आखिरी पंक्ति पढ़कर रुका नहीं गया ...उनकी छाती पर गिरकर... खूब रोई। पीएच.डी की डिग्री वाले पॉलिथीन में ही वह पुर्जा भी रखा है... पर मैला हो गया है ...लेकिन अक्षर ज्यों के त्यों हैं। बाद में पता चला था कि उन दिनों बैंक मैनेजर और वकील के पास जाकर अपनी सारी संपत्ति को दोनों भाइयों और हम दोनों बहनों में बांट आए हैं। मैनेजर उनके दोस्त भी थे। मेरे लिए यह पुर्जा उनसे ही लिखवाया था। बाबा आज इस दुनिया में नहीं है। उनकी बुलेरी विश्वविद्यालय में सीनियर प्रोफेसर है। उसका नाम है। शोहरत है। करीब दस दिन बाद पता चला था कि ऑपरेशन सफल नहीं हुआ। वे नहीं रहे। हमारे यहां रिवाज है कि बाप के अंतिम संस्कार में बेटी शरीक नहीं हो सकती। क्यों नहीं हो सकती...? यह मैं नहीं जानती... लेकिन अगले ही पल सोचती हूं कि क्या हमारे यहां बाप की जायदाद में से बेटी को हक बराबर का मिलता है नहीं ?... लेकिन मुझे तो मिला है ...याद करके वह पुर्जा मेरी आंखों के सामने घूम गया। निखिल गाड़ी निकाल रहा है। उदास मन से मैंने तुरंत कहा, निखिल मैं भी चल रही हूं अंतिम दर्शनों के लिए। घर के पीछे ही खेत में उनकी चिता बनाई गई है। हमारा पूरा परिवार..शहर के मौजिज लोग ...उनकी चिता को घेर कर खड़े हैं। वहां महिला कोई नहीं है। मैं और निखिल दोनों धीरे-धीरे ...भारी कदमों से घर के मुख्य द्वार से पिता की चिता की तरफ बढ़ रहे हैं ...मुख्य द्वार से निकलते हुए उसी गैलरी को पार कर रही हूं ...जहां से रात को तीन बजे बाबा ने निखिल के साथ विदा किया था। बाबा फूट-फूट कर रोए थे उस दिन और हमारा कुत्ता झबरू ने मेरा रास्ता रोक लिया था कि नहीं जाने दूंगा। हमारे घर की औरतों ने तो वह गीत भी शुरू कर दिया था... जिसे सुनकर दुनिया का कोई भी बाप बिना रोए रह ही नहीं सकता कि... 'मेरी गुड़िया भुल्ली हो ...बाबुल तेरे आळे म्हं... स्मृति में एक घटना किसी चलचित्र की तरह घूम रही है ...सामने ही बाबा की चिता है। चाचा- ताया ...परिवार के बुजुर्ग विस्मय से देख रहे हैं। मैनेजर अंकल ने सब को रोकते हुए ...मुझे अंक में भर लिया है और सफेद चादर में लिप्त.. चिता के पास ले गए हैं.. उन्होंने धीरे से मुंह से कपड़ा हटा दिया है... बाबा शांत लेटे हैं... जैसे सो रहे हैं। लगता है कि वह अभी कहेंगे बुलेरी... खूब पढ़ना ...सब क्लासें पास कर लेना ...तू हमारे परिवार की सबसे ज्यादा पढ़ी-लिखी लड़की है। सोचकर मैंने अपनी पीएचडी की डिग्री को आंखों से लगा लिया है और मन में ही अपने बाबा से आशीर्वाद लिया है..।

कविता

महेन्द्र सिंह बिलोटिया

वीरों का गौरव गान

ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई , आपस में सब भाई भाई
भगतसिंह को फांसी लाई, हुआ आजादी ऐलान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

तुम नमन करो मर्दानों को, उन आजादी के दीवानों को
अमर शहीद बलिदानों को, यहां फिर भेजो भगवान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

करी पर्वत कैसी आड़ तुम्हे, अंग्रेज दिये थे काढ़ तुम्हें
ये भूमि करती लाड तुम्हें, और जयहिंद करे जहान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

जब तक चांद और तारा है, रोशन नाम तुम्हारा है
कहे महेंद्र सिंह प्यारा है, हम सब को हिन्दुस्तान
ये भारत देश महान, जहां पर वीर हुए कुर्बान

कविता

पंकजोम प्रेम

यार पुराना छोड़ दिया

उसने भी रिश्ता दिल से निभाना छोड़ दिया है
सो मैंने भी वो यार पुराना छोड़ दिया है

अब मैं भी राहों में उस से हंस कर मिलता हूं
और उसने भी नजरों को बचाना छोड़ दिया है

अब अपना दुःख किसी आगे जाहिर नहीं करता
अब मैंने अपना तमाशा बनाना छोड़ दिया है

देख के मेरा फूलों का यूं बढ़ता कारोबार
दुश्मनों ने भी हथियार बनाना छोड़ दिया है

क्यूँ रुसवा बैठी है घर पर इक इक पनिहारी
क्यूँ प्यासों ने पनघट पे आना छोड़ दिया है

तुम भी मत किया करो मुझ से यूं घुमा के बातें
मैंने भी तो ये खेल दिखाना छोड़ दिया है

दोहे

नरेश शांडिल्य

अध्यात्म

उतना पाया पार मैं, जितना पाया डूब।
ख़ूब जिया मैं जिन्दगी, पिया ज़हर जब ख़ूब।।

जो कहता मैं जानता, वो निकला अनजान।
जो कहता अनजान हूँ, वही सका कुछ जान।।

ख़ुद को रोता देखकर, सखी हँसा मैं ख़ूब।
ख़ुद ही ख़ुद मैं तर गया, ख़ुद ही ख़ुद में डूब।।

ख़ुद से गहरा औ' बड़ा, लगा न और सवाल।
टाले लाख वबाल पर, ख़ुद को सका न टाल।।

ख़ुद में ही जब है ख़ुदा, यहां-वहां क्यों जाय।
अपनी पत्तल छोड़कर, तू जूठन क्यों खाय।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हास्य-व्यंग्य से हरियाणवी जीवन, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों पर दी समाज को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ रचनाकार एवं कवि ओम प्रकाश चौहान का आधुनिक युग में साहित्य के सामने चुनौतियों को लेकर मानना है कि पिछले कुछ वर्षों से मानवीय जीवन मूल्यों में बदलाव हुए हैं और गिरावट भी आई है, इसलिए इस बदलते परिवेश में साहित्यिक साधना या सुरुचिपूर्ण जीवनशैली प्रभावित हुई है।

साक्षात्कार

ओ.पी. पाल

साहित्य संवर्धन में नैतिकता और आध्यात्म भी अहम: ओपी चौहान

साहित्य जगत में लेखक एवं साहित्यकार विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य संवर्धन करके समाज को सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। ऐसे ही हिंदी एवं हरियाणवी भाषा के मूर्धन्य विद्वान एवं प्रबुद्ध साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान ने विभिन्न विधाओं में साहित्य सृजन करते हुए समाज में बाल मनुहार से बुजुर्गों तक के मन को छूते हुए हरियाणा के ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय-साहित्यिक-क्षितिज को अपने साहित्यिक सेवा से आलोकित किया है।

गद्य और पद्य दोनों प्रारूपों मे उन्होंने काव्य के विविध रूपों यथा-यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, हास्य-व्यंग्य, पुस्तक-समीक्षा, तथा रिपोर्ताज आदि साहित्यिक विधाओं पर लेखन में एक हास्य कलाकार और बहुमुखी साहित्यिक प्रतिभा के रूप में पहचान बनाई है। हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान ओ.पी. चौहान ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें सामाजिक सरोकारों के मुद्दों के साथ नैतिकता और आध्यात्मिकता भी साहित्य संवर्धन में महत्वपूर्ण है, ताकि भारतीय संस्कृति को जीवंत रखा जा सके। हास्य कवि ओम प्रकाश चौहान का जन्म 6 मार्च, 1954 को हिसार जिले के गांव मोठ करनैल में जुगलाल चौहान और मिसरी देवी के घर में हुआ था। आर्थिक दृष्टि से निर्धन होते हुए भी उनका पारिवारिक परिवेश सुसंस्कारी एवं संवेदनशील रहा। उनके माता-पिता धार्मिक प्रवृत्ति के सद्गृहस्थ थे, इसी का ही परिणाम है कि उदात्त मानवीय गुण आए, जो उन्हें साहित्य पढ़ने और रचने की अभिरुचि की ओर अग्रसर करते चले गए। दूसरी तरफ उनके पिता महाकवि सूरदास, संत कबीर दास, संत शिरोमणि रविदास आदि की वाणियां सुनते सुनाते थे, तो इसके प्रभाव के कारण बचपन में ही उन्हें लेखन करने की प्रेरणा मिलने लगी।

राजपूत लखेरा समाज से संबंध रखने वाले ओम प्रकाश चौहान का बचपन भले ही निर्धनता भरे माहौल में गुजरा हो, लेकिन उनके पिता का अपने परिवार के प्रति समर्पण सदैव सुखद रहा है। जुलाना कस्बे में पले-बढ़े-पढ़े और प्रारंभिक शिक्षा राजकीय उच्च विद्यालय जुलाना मंडी जींद में हुई। उन्होंने दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद प्रभाकर और ओ.टी. की परीक्षा पास की। उसके बाद वह जींद में जुलाना के संस्कृत महाविद्यालय में प्रभाकर की शिक्षा देने लगे। सनातन धर्म उच्च विद्यालय जींद में हिंदी अध्यापक के पद पर करीब 12 वर्ष तक कार्य किया। इसके बाद उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण सरकारी सेवा में आने का निर्णय लिया और वह नवम्बर 1991 में सरकारी सेवा में आ गये। उन्होंने आरंभ में अनेक हरियाणवी भजन लिखे, जो कीर्तन के रूप में स्थानीय लोगों द्वारा गाए जाने लगे। व्याकरण सम्मत परिमार्जित भाषा के अध्ययन के कारण इन्हें हिन्दी लेखन अधिक रुचिकर लगने लगा और उन्होंने हिन्दी में अपनी प्रथम कहानी 'दूसरा पत्र' लिखी, जिसे पाठकों ने खूब सराहा। बकौल ओपी चौहान, उन्होंने अपने साहित्य सृजन में गद्य और पद्य दोनों प्रारूप को समान स्थान दिया। गद्य विधा में उन्होंने निबंध, लघुकथाएं, कहानियां, यात्रा कृतांत और विनोद वार्त्ताएँ लिखीं, तो वहीं पद्य में कविता, गजल, दोहे, रागनियां और भजन लिखे हैं। साल 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद उनके भीतर अलग तरह की प्रेरणा समा गई थी। जिसके फलस्वरूप उन्होंने हिन्दी में देशभक्तिपूर्ण रचनाएं लिखना आरम्भ किया। उनकी साहित्यिक साधना में आत्मानंद की अनुभूति, कर्त्तव्यपरायणता का जज्बा, राष्ट्रीय चेतना और पूर्वजों द्वारा धर्मपरायणता की सिद्धि मूल में रही हैं। इसलिए वह निराशा के पलों में भी प्रफुल्लित रहते हुए अपनी कविताओं में रस, छंद, अलंकार, शब्दशक्ति, शब्दरीति, काव्यगुण आदि को सदैव महत्व देते रहे हैं। हरियाणा बाल साहित्य को ओपी चौहान का योगदान विषय पर कुरुक्षेत्र विवि में एमफिल की जा चुकी है।

उनका कहना है कि स्वाध्याय मानव को संस्कृति और संस्कारों से जोड़ता है समुचित दिशा देता है अतः युवाओं को स्वाध्याय अपनाना चाहिए। समाज और संस्कृति को जीवंत रखने के लिए साहित्यकारों व लेखकों को भी इसी आधार पर श्रेष्ठ साहित्य सृजन करना आवश्यक है, जो मानव जीवन का मूल उद्देश्य भी है।

प्रकाशित पुस्तकें

ओपी चौहान अभी तक तीन दर्जन पुस्तकें लिख चुके हैं, जिनमें प्रकाशित 15 पुस्तकों में हिंदी भाषा की कृतियों में कविता संग्रह-प्रथम प्रपात, अमृत प्याला जिन्दगी, प्रबन्ध काव्य-जिन्दगी, विनोद वार्ताएं-श्रीमती ने पत्र लिखा, बाल साहित्य में बाल गीत माला गर्वित, अर्पिता, हर्ष बाल गीत के अलावा नानी की कहानियां और बाल निबन्ध-वाटिका सुर्खियों में हैं। उनके हरियाणवी भाषा की रचनाओं में वीराख्यान प्रबन्ध काव्य-मेवाड़ का शेरः महाराणा प्रताप, भजन संग्रह-आराधना के गीत और गजल संग्रह-ऐसे मन बहलाया जाए पाठकों के बीच हैं।

ओम प्रकाश चौहान

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा साहित्य अभिनंदन योजना 2022 के पं. माधव प्रसाद मिश्र सम्मान से अलंकृत वरिष्ठ साहित्यकार ओम प्रकाश चौहान को अब तक अनेक पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें साहित्य सारथी सम्मान, इन्दिरा-स्वरुप स्मृति साहित्य श्री सम्मान, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान के अलावा शैक्षणिक, समाजिक एवं सांस्कृति क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अनेक पुरस्कार व सम्मान के अलावा प्रशस्ति पत्र, प्रशंसा पत्र और अन्य प्रमाण पत्रों से भी नवाजा जा चुका है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम :ओम प्रकाश चौहान
जन्मतिथि : 6 मार्च, 1954
जन्म स्थान : मोठ करनैल, हिसार (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए.(हिंदी), एम.फिल., प्रभाकर, संगीत भूषण
संप्रति : सेवानित्त शिक्षक, कवि, रचनाकार, साहित्यकार, समाजसेवी

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल

पुस्तक : द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल
लेखक : डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी'
मूल्य : 1895 रुपये
प्रकाशक : एसएसडीएन पब्लिशर्स, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा

शशि कांत चौहान

द कम्पलीट हैंडबुक ऑफ न्यूज़ रिपोर्टिंग: इंक टू पिक्सल" डॉ. अनुज नरवाल 'रोहतकी' द्वारा लिखित एक व्यापक और समृद्ध पुस्तक है, जो पत्रकारिता के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह पुस्तक पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों से लेकर डिजिटल युग की नवीनतम तकनीकों तक के विस्तृत पहलुओं को समेटती है।

लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक में पत्रकारिता के परंपरागत और आधुनिक दोनों स्वरूपों को संतुलित ढंग से प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक न केवल पत्रकारिता के छात्रों, बल्कि शोधकर्ताओं, शिक्षकों और पेशेवर पत्रकारों के लिए भी एक अमूल्य संसाधन है। पुस्तक को दस अध्यायों में विभाजित किया गया है, जो पत्रकारिता के विभिन्न आयामों को व्यवस्थित रूप से कवर करते हैं। प्रत्येक अध्याय में सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोग का संतुलन बनाया गया है। पुस्तक की सामग्री में निम्नलिखित प्रमुख विषय शामिल हैं। इस अध्याय में समाचार की अवधारणा, संरचना, और मूल्यों के साथ-साथ प्रिंट, रेडियो, टेलीविजन, और डिजिटल मीडिया के लिए लेखन और संपादन तकनीकों को समझाया गया है। यह पत्रकारिता के नैतिकता और समकालीन मुद्दों पर भी प्रकाश डालता है। समाचार स्रोतों, सूचना संग्रह के उपकरणों, और स्रोतों के विकास की तकनीकों पर विस्तृत चर्चा की गई है। 5 डब्ल्यू और 1एच की संरचना और इनवर्टेड पिरामिड पैटर्न जैसे लेखन ढांचों को समझाया गया है।अपराध, अदालत, शिक्षा, खेल, मौसम, और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने की तकनीकों को रेखांकित किया गया है। साक्षात्कार, प्रेस कॉन्फ्रेंस, और तत्काल कवरेज जैसे विषयों पर गहन जानकारी दी गई है। सत्य, निष्पक्षता, और विविधता जैसे पत्रकारीय मूल्यों के साथ-साथ लोकतंत्र में पत्रकारिता की भूमिका पर चर्चा की गई है। मीडिया साक्षरता और कन्वर्जेंस जैसे आधुनिक विषयों को शामिल किया गया है। येलो जर्नलिज्म, खोजी पत्रकारिता, और डेटा पत्रकारिता जैसे क्षेत्रों की गहन पड़ताल की गई है। डॉ. नरवाल ने इस पुस्तक के माध्यम से नई पीढ़ी के पत्रकारों को संवेदनशील, सजग, और साहसी बनने के लिए प्रेरित किया है। यह पुस्तक हर उस व्यक्ति के लिए अनिवार्य है, जो पत्रकारिता को समझना और अपनाना चाहता है। लेखक इस पुस्तक के लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

तेल वितरण में जनता को गुमराह कर रही सरकार

कोसली । युवा कांग्रेस के पूर्व जिला महासचिव संदीप डाबला ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार

बीपीएल परिवार को मिलने वाले तेल में भी खेल कर जनता को गुमराह कर रही है। अधिकारी सभी जिला खाघ एवं आपूर्ति नियंत्रकों को पत्र लिखकर निर्देश देते है कि इस कार्ड पर अब दो लीटर सरसों तेल के दाम सौ रुपये ही वसूली जाएंगे जबकि खाघ एवं आपूर्ति मंत्री कहते है कि अगर एक लीटर सरसों के तेल लोगे तो 30 रुपये दो लीटर के सौ रुपये ही लिये जाएंगे यानि 30 रुपये में एक लीटर तेल लेने वाले को एक लीटर तेल छोड़ना ही होगा। ऐसा कर सरकार गरीब परिवारों के साथ मजाक कर रही है। जिसे युवा कांग्रेस कदापि सहन नहीं करेगी।

विधायक ने परिवार सहित की गोसेवा

नारनौल। विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने अपने इकलौते पुत्र उमेश यादव की पहली पुण्यतिथि के अवसर पर उपचार व अनाथ गोशाला पहुंचकर गोवंश की सेवा की। इस दौरान उन्होंने परिवार सहित गोशाला में सवामणी लगवाई और गायों को चारा खिलाकर पुण्यात्मा की शांति हेतु प्रार्थना की। इससे पूर्व विधायक यादव ने अपने निवास स्थान पर परिवारजनों के साथ हवन यज्ञ कर दिवंगत पुत्र को नमन किया।

नीरज क्लीनिक पर आज से लगेगा कैंप

नारनौल। रेवाड़ी रोड पर सरस्वती गार्डन के नजदीक नीरज क्लीनिक पर 21 जुलाई से 27 जुलाई तक प्रातः 10 बजे से 2 बजे तक साप्ताहिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। चिकित्सा कैंप के आयोजक डा. नीरज यादव व डा. मंजू यादव ने बताया कि माइग्रेन, स्पाईन, निज्वाईंट केयर सेंटर के तत्वावधान में यह चिकित्सा कैंप कैलाश नगर गली नंबर 4 के आखिर में एक निजी मकान में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस कैंप में असाध्याय रोग जैसे सिरदर्द, कमर व घुटनों के दर्द, नसों के दर्द आदि से परेशान रोगियों का उपचार किया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकारों से की वार्ता

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रतिबद्ध प्रदेश सरकार: आरती राव

सरकार का प्रयास आम आदमी को सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। हिमांशु पालीवाल के घर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरती राव। व भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए आरती राव। फोटो: हरिभूमि

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में गंभीरता से प्रयास कर रही है। इसके लिए स्वास्थ्य ढांचे में भी बदलाव किया जा रहा है। सरकार का प्रयास आम आदमी को सस्ती व सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। आरती राव रविवार सायं भाजपा के जिला कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों के साथ विमर्श करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने भाजपा नेता हिमांशु पालीवाल के घर पहुंचकर जलपान भी किया। पार्टी की जिलाध्यक्ष वंदना पोपली उनके साथ प्रमुख रूप से मौजूद रहीं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि हर जिले और हर क्षेत्र में बिना किसी भेदभाव के विकास हो। इस दिशा में तेजी से कदम उठाए जा रहे हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण में रेवाड़ी के पिछड़ने पर आरती राव ने कहा कि स्थानीय विधायक शहर को साफ-सुथरा बनाने की मुहिम चलाए हुए हैं।

बरसात का सीजन होने के कारण सफाई व्यवस्था पर असर पड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था को दुरुस्त होने में थोड़ा समय लग सकता है। आने वाले समय में रेवाड़ी नंबर वन पर होगा। उन्होंने कहा कि सामान्य अस्पताल के हालात का उन्होंने खुद निरीक्षण किया है। बरसात के दौरान अस्पताल की व्यवस्था बिगड़ जाती है। अस्पताल के जनरेटर का कार्य पब्लिक हेल्थ को सौंपा गया है। अस्पताल की व्यवस्था में जल्द सुधार देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं के सिजेरियन की व्यवस्था भी अस्पतालों में की जा रही है। आंगनबाड़ी व आशा वर्कर इस तरह की महिलाओं के बारे में अगर जानकारी देती हैं, तो उनके ऑपरेशन की व्यवस्था सरकारी अस्पतालों में हो जाएगी। उन्होंने कहा कि रेवाड़ी मेरा गृह जिला है, जिस कारण इस जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि पूरे प्रदेश में आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। इसके लिए नई सीएचसी और पीएचसी बनाने पर भी विचार किया जा रहा है।

रामगढ़ भगवानपुर के ग्रामीणों को दिया जवाब

रामगढ़ भगवानपुर में चल रहे 200 बेड अस्पताल निर्माण को लेकर धरने के सवाल पर आरती राव ने कहा कि अस्पताल जिला मुख्यालय पर बनता है। उन्होंने खुद रामगढ़ भगवानपुर व आसपास के चार-पांच गांवों में अस्पताल के लिए निरीक्षण किया है। अभी तक सरकार की ओर से अस्पताल निर्माण को लेकर कोई पेपर वर्क नहीं किया गया है। जब अस्पताल के लिए जगह फाइनल ही नहीं की गई है, तो ऐसे में धरना देने का कोई औचित्य नहीं है।

धरना प्रदर्शन करने का कोई नहीं औचित्य

आरती राव ने कहा कि अस्पताल का निर्माण हेल्थ पॉलिसी की शर्तों पर खरा उतरने वाली जगह पर किया जाएगा। जहां रोड नेटवर्क मजबूत होगा, वहां अस्पताल खोला जाएगा। इसके लिए सरकार जल्द फैसला लेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि बिना सरकार का निर्णय हुए उन्हें धरना प्रदर्शन नहीं करना चाहिए। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, कोसली के विधायक अनिल यादव व भाजपा के कई पदाधिकारी इस मौके पर मौजूद थे। इससे पूर्व आरती राव ने सभी को तीज पर्व की बधाई देते हुए झूला भी झूला।

साइबर ठगी से बचने के लिए पासवर्ड में करें बदलाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

■ सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की सलाह

रेवाड़ी। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा।

पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने कहा कि आज के दौर में हर काम इंटरनेट पर निर्भर हो गया है। तमाम तरह के वित्तीय लेन देन मोबाइल के माध्यम से हो रहे हैं। जैसे-जैसे वित्तीय लेन देन को लेकर मोबाइल व इंटरनेट पर निर्भरता बढ़ी है, वैसे-वैसे साइबर ठगी की घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है। कमजोर पासवर्ड होने की वजह से भी कई बार साइबर अपराध का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि साइबर अटैक से बचने हेतु मजबूत पासवर्ड का अहम योगदान हो सकता है। साथ ही इंटरनेट यूजर्स को समय-समय पर पासवर्ड चेंज करना चाहिए, ताकि वह साइबर ठगी से बच सकें।

मीणा ने बताया कि साइबर अपराध से बचाने के लिए आमजन को सेमिनार व गोष्ठियों के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित कर जागरूक किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ साइबर अपराध घटित हो जाता है तो उसे किस प्रकार से बचा जा सकता है के बारे विस्तार पूर्वक बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इंटरनेट का उपयोग करते समय साइबर सुरक्षा के बारे में जानकारी न होने के कारण लोग अक्सर साइबर क्राइम का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधी ठगी करने की नियत से अलग-अलग तरह के तरीके अपनाते रहते हैं। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी द्वारा किसी व्यक्ति को झांसा देते हुए पैसे प्राप्त करने के लिए अलग-अलग तरह के प्रलोभन देते हैं। ऐसे में हम जागरूक रहकर ही इस प्रकार की ठगी से बच सकते हैं।

1930 पर तुरंत कॉल करें

एसपी ने बताया कि अगर लापरवाही के कारण कोई साइबर ठगी का शिकार हो जाता है तो राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नं. 1930 पर तुरंत कॉल करें या फिर एनसीआरपी पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। इसके अतिरिक्त नजदीकी थाने में जाकर थाने में स्थापित साइबर हेल्प डेस्क या साइबर क्राइम थाना में भी शिकायत कर सकते हैं। तुरंत शिकायत दर्ज कराने के बाद ठगी का पैसा बचने की संभावना रहती है।

टल सकता है खतरा

अपने नेट बैंकिंग, ईमेल, फेसबुक, इंस्टाग्राम इत्यादि अकाउंट पर मजबूत पासवर्ड लगाएं ताकि अगर हैकर आपके खाते पर अटैक करता है तो वह विफल हो जाए। डेट ऑफ बर्थ अपने परिवार के किसी सदस्य का नाम इसके अलावा पासवर्ड बनाते समय कीबोर्ड पर एक पंक्ति के अक्षरों का इस्तेमाल न करें।

मेघवाल समाज के उत्थान पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

रेवाड़ी। बैठक में मौजूद समिति के पदाधिकारी और सदस्य। फोटो: हरिभूमि

मेघवाल उत्थान समिति की बैठक रविवार को बावल कस्बे के बागवाला और धोबीघाट मोहल्ले में रामप्रकाश की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समुदाय के उत्थान और सामाजिक एकता पर गहन चर्चा हुई। बैठक में रामप्रकाश ने सभी को आश्वस्त किया कि समिति सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि समुदाय को 'मेघवाल' शब्द को अपनाना चाहिए और 'चमार' शब्द का पूर्ण परित्याग करना चाहिए, ताकि सामाजिक सम्मान और एकता को और मजबूती मिले। बैठक में रामफल नंबरदार व चिरंजीलाल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने समुदाय के कल्याण और संगठन की मजबूती के लिए अपने विचार साझा किए। मेघवाल उत्थान समिति हरियाणा भविष्य में भी इस तरह की बैठकों के माध्यम से सामाजिक उत्थान और जागरूकता के लिए प्रयासरत रहेगी। इस अवसर पर संरक्षक वेदप्रकाश एसडीओ, अध्यक्ष सूरजभान, सचिव भूपेन्द्र शेखपुर, सुंदरलाल भटेडिया, अशोक मेघवाल, राहुल मास्टर, पूर्व सरपंच सांवत सिंह भूपसिंह ब्लेवा, परमेश्वर खेड़ी डालूसिंह, राहुल मास्टर, तेजपाल, रूडाराम, हीरसिंह वैध, रामावतार आदि मौजूद रहे।

शौर्य दिवस पर युद्ध वीरांगनाओं को किया जाएगा सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कैप्टन अजय सिंह यादव। फोटो: हरिभूमि

विजय दिवस एवं रेजांगला शहीदी समारोह सम्मान समिति की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी 16 दिसंबर को विजय दिवस के मौके पर रेजांगला पार्क में शौर्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। समिति की ओर से शहीदों की वीरांगनाओं, रण बांकुरो योद्वाओं तथा जीवन में विशिष्ट उपलब्धियां हांसिल करने वाले नागरिकों को भी सम्मानित किया। कैप्टन अजय सिंह यादव ने अपने निवास स्थान मॉडल टाउन रेवाड़ी में समिति के पदाधिकारियों की बैठक ली और सभी को जिम्मेदारी सौंपते हुए कहा कि हमारे सैनिकों की वीरता व उनका रण कौशल अति सरहानीय है। हमारी सेनाएं विश्व की सर्व क्षेष्ठ सेनाए हैं। वर्ष 1971 में भारत-पाक युद्ध के दौरान 16 दिसंबर को भारत ने विजय हांसिल की थी और उसी दिन से यह दिन हर वर्ष विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 1971 में हुए भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तानी सेना पराजित हुई और 16 दिसंबर 1971 को ढाका में आत्मसमर्पण कर दिया था। उन्होंने बताया कि हमारे सैनिकों की वीरता अद्वितीय है तथा पूरा विश्व भारतीय सेना का लोहा मानता है। श्री यादव ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सेना के साथ धोखा किया है। उन्होंने रेवाड़ी की धरती से ही अपनी रैली में घोषणा की थी कि वन रैंक वन पेंशन को लागू किया जाएगा। लेकिन आज तक अपना वायदा पूरा नहीं किया। फौज में भती होने का रखते माद्दा इसके अलावा हमारे देश के युवा जो फौज में भर्ती होने का माद्दा रखते हैं और दुश्मनों को धूल चटाने का दम रखते हैं। उनके लिए देश में अग्निपथ योजना लागू करके देश के युवाओं के साथ भी धोखा किया है। समिति के महासचिव डॉ रामफल यादव ने बताया समारोह के दौरान स्कूल और कॉलेजों के छात्रों द्वारा देशभक्ति पर आधारित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएगें। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष कमांडेंट आरके यादव, कमांडेंट रामपाल, सचिव कुलदीप यादव, सचिव रामोतार यादव इत्यादि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने पार्क में पौधे लगाकर चलाया पर्यावरण संरक्षण अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पार्क में पौधे लगाते क्लब के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

रोटरी क्लब रॉयल्स ने रविवार को सेक्टर-4 स्थित एक पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। क्लब के जन सम्पर्क अधिकारी याद के. सुगन्ध ने बताया कि इस अवसर पर फलों, फूलों, छायादार और गुड़मार, आंवला, जमुना एवं सहजन जैसे औषधीय 100 पौधे लगाए गए। पार्क मैनेजमेंट डायमंड क्लब के सहयोग से यह पौधारोपण कार्यक्रम किया गया। पौधारोपण का शुभारम्भ मुख्य अतिथि सुन्दर लाल सांभरिया ने किया। रोटरी क्लब रेवाड़ी रॉयल्स और पार्क के डायमंड क्लब के सदस्यों ने रोटरी मोमेंटो देकर उनका स्वागत किया। क्लब की सचिव मीनाक्षी अरोड़ा ने बताया कि रोटरी क्लब रेवाड़ी रॉयल्स के सदस्यों ने रेवाड़ी शहर और आसपास के इलाकों में हरियाली की जिम्मेदारी लेते हुए पौधारोपण करने की मुहीम चलाई है और रविवार को इसी क्रम में सेक्टर 4 के पार्क में विभिन्न प्रकार के फलों फूलों व सजावट के साथ साथ स्वच्छ ऑक्सीजन देने वाले विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए और उनकी बड़े होने तक उनकी देखभाल करने का प्रण लिया। मुख्यातिथि ने क्लब के प्रयासों को सराहा मुख्य अतिथि सुन्दर लाल ने क्लब के प्रयासों की सराहना की और पर्यावरण संरक्षण में सभी की भागेदारी का आह्वान किया।

रेवाड़ी। ग्रामीणों को नशे के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस की टीम। फोटो: हरिभूमि

लोगों को नशे के प्रति किया जागरूक

रेवाड़ी । रविवार को निरीक्षक रामपाल के नेतृत्व जिला पुलिस की नशा मुक्त टीम ने गांव रसियावास, जेतपुर व रानोली दौरा करके आमजन को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा नशा ना करने की शपथ भी दिलवाई गई। उन्होंने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है और इस बुराई के विरुद्ध सामाजिक आंदोलन चलाने की आवश्यकता है। इसलिए समाज का प्रत्येक नागरिक नशा मुक्त समाज बनाने में अग्राणी भूमिका अदा करें। नशा एक अभिशाप है इसका मिलकर बहिष्कार करें। अगर आपके पास किसी प्रकार की नशे संबंधी सूचना है कोई व्यक्ति नशे का प्रयोग करता है या नशे की सप्लाई इत्यादि करता है तो इस बारे पुलिस को हेल्पलाइन नंबर 1933 या 112 नंबर पर सूचित करें। पता व जानकारी बताने वाले व्यक्ति का नाम पता गुप्त रखा जायेगा। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित आमजन से कहा कि नशे के विरुद्ध इस युद्ध में पुलिस का सहयोग करे। अगर किसी भी परिवार में कोई भी व्यक्ति नशे का सेवन करता है तो उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें, जिला पुलिस इसमें पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में जिले में नशे के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाकर नशे के विरुद्ध चलाई जा रही मुहिम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि इस अभियान को शत-प्रतिशत सफल बनाया जा सके।

अस्पताल निर्माण की मांग पर धरना जारी, आज रणनीति बनाएंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर धरने पर बैठे ग्रामीण।

रामगढ़-भगवानपुर अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी का धरना रविवार को 34वें दिन में प्रवेश कर गया। धरना-प्रदर्शन में हर रोज अलग-अलग गांवों से लोग शामिल हो रहे हैं। धरने में रामगढ़, भगवानपुर के अलावा बुड़ाना, बुड़ानी, फिदेड़ी, तुर्कियावास, बालियर खुर्द, फदनी, मीरपुर, गोकुलपुर व कुम्भावास आदि गांवों के ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। धरना-प्रदर्शन की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की। धरने को विजय सिंह यादव शिकोहपुर, मुकेश यादव निमोठ, अभयसिंह फिदेड़ी, मास्टर प्रेमप्रकाश, हनुमत उर्फ पिलानी, महीपाल सिंह फदनी आदि ने संबोधित किया। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीणों ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के कहने पर जलघर के लिए 10 एकड़ जमीन दी थी। उन्हें गांव में अस्पताल बनाने का आश्वासन दिया था, लेकिन राव इंद्रजीत सिंह इस बारे में कुछ नहीं बोल रहे हैं। सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा कि रामगढ़ भगवानपुर ग्राम पंचायत की मांग एकदम जायज है। नागरिक अस्पताल को शिफ्ट करने की योजना सरकार की थी। उसी योजना को साकार करने के लिए सरकार को उपयुक्त जमीन की जरूरत थी, जिसे भगवानपुर गांव ने पूरा किया हैं। बदले में राव इंद्रजीत सिंह ने कहा था कि आप हमें शहर के लिए 10 एकड़ जमीन जलघर बनाने के लिए दे दो हम आपको अस्पताल दे देंगे जिसको ग्राम पंचायत ने सहर्ष स्वीकार करते हुए दे दी। अब राव इंद्रजीत सिंह को अपना वादा निभाना चाहिए।

मंदिरों में रहेगी श्रद्धालुओं की भीड़, बम बम भोले के जयकारें गूंजेगे

सावन का सोमवार और कामिका एकादशी आज

■ भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों की कृपा प्राप्त करने का उत्तम अवसर बन रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सावन माह में सोमवार को दुर्लभ संयोग बन रहा है। सोमवार के साथ-साथ कामिका एकादशी भी पड़ रही है। ऐसी स्थिति में भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों की कृपा प्राप्त करने का उत्तम अवसर बन रहा है, जिसे धर्मशास्त्रों में अत्यंत पुण्यदायी और फलदायी बताया गया है।

ज्योतिषाचार्य रामदत्त शर्मा का कहना है कि सावन माह का प्रत्येक सोमवार शिवभक्तों के लिए विशेष होता है और एकादशी का दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस बार दोनों दिन एक साथ होने से भक्तों को शिव और विष्णु दोनों की आराधना का दुर्लभ लाभ मिलेगा। शिव जी और विष्णु जी की संयुक्त उपासना से व्यक्ति के सभी प्रकार के पाप नष्ट हो सकते हैं और जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि का वास होता है। यह योग वर्षों में एक बार ही आता है।

इसलिए श्रद्धालु इस दिन उपवास, व्रत और पूजा अवश्य करें। उनका कहना है कि इस दिन चंद्रमा, सूर्य और मंगल की विशेष युति होने से व्रत और उपासना करने वालों को आर्थिक समृद्धि, रोग मुक्ति और पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी। सोमवार का दिन शिव और विष्णु भक्तों के लिए सौभाग्य लेकर आ रहा है। यह दिन आध्यात्मिक साधना और आत्मिक शुद्धि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है कि दैनिक कार्यों से निवृत होकर किसी पवित्र नदी में स्नान करें। भगवान शिव को बिल्वपत्र, जल, दूध, भस्म अर्पित करें। भगवान विष्णु को तुलसी पत्र, फल और पंचामृत से पूजन करें। कामिका एकादशी का व्रत रखें और रात्रि में भगवान विष्णु का जागरण करें। ओउम नमः शिवाय और ओउम नमो भगवते वासुदेवाय मंत्रों का जाप करें।

सावन के दूसरे सोमवार को रहेगी मंदिरों में भारी भीड़

कोसली । भगवान शिव का प्रिय सावन माह चल रहा है। 21 जुलाई को श्रद्धालु सावन माह के दूसरे सोमवार पर व्रत रखकर जहां भगवान शिव की पूरे विधि-विधान के अनुसार पूजा-अर्चना करेंगे, वहीं मनवांछित फल पाने की कामना भी भगवान शिव से करेंगे। भगवान शिव को सोमवार विशेष प्रिय है। शास्त्रों में भी सोमवार को लेकर उल्लेख है कि भगवान शिव सोमवार को अपना ही स्वरुप मानते हैं। इसलिए इसे सोम कहा गया है। सोमवार का व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं को भोले शंकर मनवांछित फल देते हैं। यह भी उल्लेख है कि सोमवार के दिन शिव पूजा का विशेष महातम्य है, जो केवल सोमवार को ही भगवान शिव की पूजा करते हैं, उनके लिए इहलोक व परलोक में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। सावन माह को भगवान शिव की आराधना का माह माना जाता है। पौराणिक कथा है कि जब सनत कुमारों ने महादेव से उन्हें सावन माह प्रिय होने का कारण पूछा तो भगवान शिव ने बताया था कि जब देवी सती ने अपने पिता दक्ष के घर में योग शक्ति से शरीर त्याग दिया था, उससे पहले देवी सती ने महादेव को हर जन्म में पति के रुप में पाने का प्रण किया था। इसके बाद से ही भगवान शिव के लिए सावन का माह विशेष हो गया। उधर कावडिये भी कावड़ लेने के लिए गुडगांव से बड़ी संख्या में हरिद्वार व गोमुख पहुंचते हैं और अब उनका वहां से लौटना भी शुरू हो गया है। आगामी 23 जुलाई को महाशिवरात्रि के पर्व पर कावड़ से लाए गए जल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा।

कोसली। कांवड़ सेवा शिविर का निरीक्षण करते हुए डीएसपी विद्यानंद। फोटो: हरिभूमि

कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह गंभीर: विद्यानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

डीएसपी विद्यानंद ने कहा कि एसपी हेमंत कुमार मीणा के आदेशानुसार पुलिस कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है। वह रविवार को कोसली क्षेत्र में लगे कांवड़ सेवा शिविरों का निरीक्षण करने के बाद वहां मौजूद लोगों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उनके क्षेत्र में कोसली में 27, जाटूसाना में 6 और रोहड़ाई में 9 कांवड़ सेवा शिविर लगाए हैं। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से इन शिविरों का निरीक्षण किया है। उन्होंने शिविर संचालकों से अपील की कि वह शिविर में ठहरने वाले कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर सजग रहें। शिविरों में संदिग्ध लोगों का प्रवेश नहीं होने दें। नशे का सेवन करने वाले लोगों को शिविरों से दूर रखें। डीजे तेज आवाज में बजाने से बचें। नियमों की पूरी तरह पालना करें। अगर किसी तरह की कोई परेशानी आती है, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।

खबर संक्षेप

सुरेश कुमार होंगे रेवाड़ी के नए एसडीएम, बावल एसडीएम का भी तबादला

रेवाड़ी। प्रदेश सरकार की ओर से रविवार को जारी की गई एचसीएस अधिकारियों की तबादला सूची के अनुसार रेवाड़ी के एसडीएम सुरेंद्र का रतिया तबादला कर दिया गया है। उनके स्थान पर अब रतिया के एसडीएम रेवाड़ी की जिम्मेदारी संभालेंगे। बावल के एसडीएम उदयभान का भी तबादला हो गया है। उनके स्थान पर महेंद्रगढ़ जिला परिषद के सीईओ मनोज कुमार को बावल एसडीएम लगाया गया है। सीटीएम कुमारी प्रीती को सरकार ने बदल दिया है। उनके स्थान पर चरखी दादरी के सीटीएम जितेंद्र कुमार अब रेवाडी सीटीएम का पदभार संभालेंगे। यह तबादला आदेश तुरंत प्रभाव से लागू किए गए हैं।

यदुवंशी सतनाली में जिला स्तरीय एनसीसी कैंप शुरू

सतनाली मंडी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन स्कूल सतनाली में एक माह तक चलने वाले 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी नारनौल कैंप का शुभारंभ हुआ। इस कैंप का उद्घाटन कर्नल संदीप कुमार ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया। इस विशेष शिविर में एनसीसी कैडेट्स को अस्त्र शस्त्र चलाने व अनुशासन में रहकर देश सेवा की भावना के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे न सिर्फ उनकी शारीरिक क्षमता और आत्म विश्वास में वृद्धि होगी, बल्कि यह प्रशिक्षण देश सेवा के क्षेत्र में एक सशक्त कदम साबित होगा।

हनुमान मंदिर परिसर में लगाए दर्जनों पौधे

नारनौल। शहर के नेताजी सुभाष स्टेडियम निवासी न्यायालय से सेवानिवृत्त रीडर सतबीर सैनी ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए रविवार को हनुमान मंदिर परिसर में दर्जनों पौधे लगाए। सतवीर सैनी हर वर्ष सावन माह में 100 पौधे लगाने का संकल्प लेते हैं। ावन में अब तक 55 पौधे लगा चुके हैं और सावन समाप्त होने तक उनका लक्ष्य 100 पौधे लगाने का है। उन्होंने कहा किए पेड़ पौधे हमें शुद्ध ऑक्सीजन देकर जीवन की रक्षा करते हैं।

शिवरात्रि पर्व करीब आते ही बढ़ने लगी कांवड़ियों की संख्या

सड़कों पर बम-बम भोले की जयकार 23 को शिव मंदिरों में चढ़ेंगी कांवड़

- शिविरों में शिवभक्त कर रहे कांवड़ियों की सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शिवरात्रि पर्व करीब आने के साथ ही हरिद्वार और गंगोत्री से कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी है। सड़कों पर बम भोले के जयकारे सुनने को मिल रहे हैं। कांवड़ सेवा शिविरों में शिवभक्त सेवा दे रहे हैं। 23 जुलाई को विभिन्न शिव मंदिरों में कांवड़ चढ़ाकर जलाभिषेक किया जाएगा। प्रशासन की ओर कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए सड़कों पर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

कांवड़ लाने वाले शिवभक्तों की सर्वाधिक भीड़ दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर रहती है। इस रोड से दक्षिणी हरियाणा के जिले व महेंद्रगढ़ जिलों के साथ-साथ राजस्थान के कई जिलों के कांवड़िए पैदल कांवड़ लेकर निकलते हैं। कांवड़ियों की बढ़ती संख्या के कारण हादसों की आशंका भी बनी रहती है, जिस कारण पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रस्सी बांधकर एक लेन कांवड़ियों के लिए बनाई गई है, ताकि कांवड़िये इस लेन से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं ने कांवड़ियों के लिए शिविर लगाए हुए हैं। उनके खान-पान के साथ-साथ अन्य सभी सुविधाएं भी शिविरों में उपलब्ध कराई गई हैं। जैसे-जैसे शिवरात्रि नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे डाक कांवड़ लाने वाले श्रद्धालु भी हरिद्वार रवाना के लिए निकल रहे हैं। वह शिवरात्रि से एक दिन पूर्व ही डाक कांवड़ लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। श्रद्धालु कांवड़ पर अपनी सामर्थ्यनुसार दिल खोलकर खर्च करते दिखाई दे रहे हैं। कावड़ की सजावट पर अच्छा खासा खर्च किया जा रहा है। बड़ी कांवड़ के साथ डीजे की व्यवस्था भी श्रद्धालुओं ने की है। धर्मप्रेमी भी इन कांवड़ियों का खुले दिल से स्वागत कर रहे हैं। श्रद्धालु आगामी 23 जुलाई को शिवरात्रि पर कावड़ में लाए गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करेंगे।

रेवाड़ी। एक सेवा शिविर में आकर आराम फरमाते शिवभक्त कांवड़िए।

एसपी ने जारी की एडवाइजरी

हेमेंद्र कुमार मीणा एसपी रेवाड़ी।

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने कांवड़ यात्रा के दौरान हादसों को टालने के लिए एडवाजरी भी जारी की गई है। एसपी ने अपील की है कि कांवड़ लाने वाले श्रद्धालु व उनकी सेवा करने वाले लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों की पूरी तरह से पालना करनी चाहिए। श्रद्धालुओं की आड़ में गैर कानूनी हरकतों को अंजाम देने वाले समाजिक तत्वों से पुलिस सख्ती से निपटेगी।

इन बातों का रखा जाएगा ध्यान

- डीजे की ऊंचाई वाहन की बॉडी से अधिक नहीं हो
- ऊंचे डीजे बिजली की तारों से टकरा सकते हैं।
- किसी भी वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक व्यक्ति न बैठाएं।
- यातायात नियमों एवं मोटर वाहन अधिनियम का पूर्ण रूप से पालन करें।
- डीजे की ध्वनि स्तर निर्धारित मानकों के अनुरूप ही रखें।
- अवैध गतिविधियों और उन्माद फैलाने वाले कृत्यों से दूर रहें।
- किसी भी प्रकार के हथियार यात्रा में साथ रखना पूर्णतः वर्जित है।
- यात्रा के दौरान शराब या नशीले पदार्थों का सेवन पूर्णतः निषिद्ध है।
- पर्यावरण की स्वच्छता बनाए रखें; मार्ग में कचरा या गंदगी न फैलाएं।
- कांवड़ यात्रा में आपसी भाईचारा, सौहार्द एवं अनुशासन बनाए रखें।
- किसी भी आपात स्थिति में तत्काल डायल-112 पर कॉल करें।

रेवाड़ी। महाराणा प्रताप चौक पर मौजूद संस्था के पदाधिकारी व अन्य।

महाराणा प्रताप चौक पर चलाया सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी धर्मबीर बल्डोदिया ने कहा कि इस प्रकार के सफाई अभियान समय-समय पर चलते रहने चाहिए

शहर की अभिराज सांस्कृतिक संस्था ने रविवार को महाराणा प्रताप चौक सर्कल परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रतिमा व परिसर की सफाई की गई।

इस पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी धर्मबीर बल्डोदिया ने कहा कि इस प्रकार के सफाई अभियान समय-समय पर चलते रहने चाहिए। सामाजिक संस्थाओं को आगे बढ़कर ऐतिहासिक स्थलों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, जिससे इस प्रकार के स्थलों की देखरेख हो सके। संस्था के निदेशक अभिषेक सैनी ने बताया कि सुबह महाराणा प्रताप चौक पर टीम के सभी सदस्य एकत्रित हुए। सभी ने करीब 2 घंटे तक मूर्ति के चारों तरफ का कूड़ा-कचरा व झाड़ियों की कटाई कर स्थल को साफ सुथरा किया। संस्था के सभी सदस्यों ने आम नागरिकों से अपील की है कि वह इस प्रकार के अभियान में बढ़-चढ़कर भाग ले। ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण में सहयोग करें। इस अभियान में राव नरेश चौहान, राव गजराज सिंह चौहान, आरके शर्मा, राजेश भगत, शालू सैनी, दिव्या, प्रिया, पायल, खुशी, दुर्विक आदि मौजूद रहे।

यादव कल्याण सभा के मुफ्त चिकित्सा शिविर में 126 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

- जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवाएं भी मुहैया कराई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

यादव कल्याण सभा के तत्वावधान में रविवार को श्रीकृष्ण में भवन में आयोजित मुफ्त चिकित्सा शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 126 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। इनमें जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवाएं भी मुहैया कराई गरूं।

सभा के प्रवक्ता सतीश यादव ने बताया कि यादव कल्याण सभा की ओर से हर रविवार को श्रीकृष्ण भवन में मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है। इस शिविर में सभा से जुड़े डॉक्टर मरीजों को अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। रविवार को आयोजित इस कैंप में मरीजों का स्वास्थ्य जांचने के बाद उन्हें जरूरी दवाइयां भी मुफ्त प्रदान की गई।

रेवाड़ी। शिविर में मरीजों की जांच करते हुए डॉक्टर। फोटो : हरिभूमि

मेडिकल शिविर में जांचा दिव्यांगों का स्वास्थ्य उपकरणों के लिए दिव्यांग ने कराया रजिस्ट्रेशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

जिला परियोजना समन्वक समग्र शिक्षा एवं एनएचएम के सयुंक्त तत्वावधान में खण्ड के विभिन्न राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चों के लिए मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया।

कैंपा का शुभारम्भ राजेंद्र प्रसाद डीपीसी ने किया। इस मौके पर राजबाला ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य प्रदीप कुमार, बीआरसी पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने विभिन्न दिव्यांगताओं से ग्रसित 76 दिव्यांग बच्चों का पंजीकरण किया। इनमें से 23 बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बने, सोलह रेल पास व 51 दिव्यांग बच्चों को अंग उपकरण के लिए चिन्हित किया गया। कैंप के अंत में प्रिंसिपल ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदीप कुमार ऑफिस सुप्रींटेंडेंट, आईडी मीना, मुकेश मीना, कुलदीप शर्मा, रविंद्र विशेष शिक्षक कमलेश कुमारी, चन्द्रपाल सुमेर व सोनम आदि उपस्थित थे।

बावल। मुख्य अतिथि का स्वागत करते स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण को लेकर शिव मंदिर परिसर में लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

गांव के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में मंदिर सेवा समिति के सौजन्य से रविवार को पौधारोपण किया गया। शिव मंदिर के पीछे वाटर सप्लाई की दीवार तक तार बंदी करके बड़, पीपल, नीम, नींबू, मौसमी, जामुन, करोंदा, अर्जुन व कदम इत्यादि के फलदार व छायादार वृक्षों के सत्तर पौधे लगाए गए। इस अवसर पर समिति प्रधान लाल सिंह, होशियार सिंह लम्बरदार, भीम सिंह, अजय मास्टर, विक्की, हरीश, विक्रम, नरेंद्र सिंह, राजेश, गौरव, केतन राव,यश यादव व सचिव राव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कोसली। शिव मंदिर परिसर में पौधरोपण करते समिति के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

टैंपो चालकों ने लगाया शिविर कांवड़ियों की कर रहे सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

नंदरामपुर बास के बस स्टैंड पर टैंपो चालकों ने कांवड़ सेवा शिविर लगाया हुआ है, जिसमें वह कांवड़ लेकर आने वाले श्रद्धालुओं की श्रद्धाभाव से सेवा कर रहे हैं। टैंपो चालक हर साल सेवा शिविर लगाते हैं।

महाशिवरात्रि के दिन 23 जुलाई को कांवड़ चढ़ने के साथ ही शिवलिंग पर जलाभिषेक होगा। समय नजदीक आने के साथ ही हरिद्वार से कांवड़ियों का लौटना शुरू हो गया है। टैंपो चालक यूनियन की ओर से बास बस स्टैंड पर शिविर लगाया हुआ है। इस रोड से हरियाणा व राजस्थान के सैकड़ों कांवड़ियों लौटते हैं। शिविर में कांवड़ियों के रहने और ठहरने के साथ-साथ खाने की भी पर्याप्त व्यवस्था की हुई हैं। बड़ी संख्या में कांवड़िए इस शिविर में आराम फरमाने के लिए ठहर रहे हैं। रविवार को एक 12 साल का शिवभक्त कांवड़ लेकर शिविर में पहुंचा, जो सभी के आकर्षण का केंद्र बना रहा। टैंपो यूनियन के पदाधिकारियों का कहना है कि वह कांवड़ लेने के लिए नहीं जा सके, परंतु अब शिविर लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा कर रहे हैं।

धारूहेड़ा। सेवा शिविर में ठहरे शिव भक्त कांवड़िए। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। पीथड़ावास में भारत माता के अमर शहीदों और गोरक्षक सोनू सरपंच के नाम पौधरोपण अभियान के तहत पौधे युवा। फोटो : हरिभूमि

पीथड़ावास में शहीदों की याद में लगाए पौधे

रेवाड़ी। गांव पीथड़ावास में रविवार को भारत माता के अमर शहीदों और गोरक्षक सोनू सरपंच के नाम पौधरोपण अभियान के तहत पौधे लगाए गए। गांव के जागरूक युवाओं ने पीपल, बरगद, नीम, अर्जुन , पिलखन आदि के लगभग 300 पौधे लगाए। सुजीत यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने पौधरोपण अभियान के तहत लगाए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि पेड़ पौधे लगाने से ज्यादा महत्वपूर्ण उनका संरक्षण करना है। हिंदू युवा वाहिनी सदस्य गोरक्षक चंचल राव ने बताया कि गोरक्षक सोनू सरपंच की याद में विभिन्न संस्थाओं द्वारा पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है जो 15 अगस्त तक चलेगा। अभियान के तहत जिले भर गांवों में पौधे लगाए जाएंगे तथा उनका संरक्षण सुनिश्चित किया जाएगा। समाजसेवी अमृत कुमार ने भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर अधिक से अधिक संख्या में पेड़ पौधे लगाकर उनका संरक्षण सुनिश्चित करने की अपील की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त वायु सेवा अधिकारी सतीश यादव, डा. अरविंद सोनी, मनोज कुमार शर्मा, भूपेंद्र सिंह, प्रीतम सिंह, विकास कुमार, नवीन कुमार तथा महावीर आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

जेएनवी नैचाना में प्रवेश के लिए आवेदन 29 जुलाई तक

- प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी 13 दिसंबर को प्रात :11 .30 बजे आयोजित होगी

रेवाड़ी। डीसी एवं जवाहर नवोदय विद्यालय नैचाना की प्रबंध समिति के चेयरमैन अभिषेक मीणा ने बताया कि आगामी सत्र 2026-27 के दौरान कक्षा छठी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 निर्धारित की गई है। छठी कक्षा में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा आगामी 13 दिसंबर को प्रात:11.30 बजे आयोजित होगी। मीणा ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत पूर्णतया आवासीय विद्यालय है, जिसमें छात्र-छात्राओं के लिए अ ल ग - अ ल ग छात्रावास उपलब्ध है। इसके अलावा विद्यालय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को मुफ्त शिक्षा के साथ भोजन, वर्दी एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री उपलब्ध करवाई जाती है। पात्र अभ्यार्थी ऑनलाइन आवेदन स्वयं के स्तर पर अथवा जिला के गांव नैचाना स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय से संपर्क करके कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के लिए अभ्यर्थी को फोटो एवं आधार कार्ड की आवश्यकता होगी। अभ्यर्थी और अभिभावक के हस्ताक्षर भी अपलोड करवाने होगें। छठी कक्षा में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का जन्म 1 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के बीच होना आवश्यक है।

पौधरोपण | समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे

सामाजिक संस्थाओं ने लगाए पौधे पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

स्वच्छ, हरित भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्रीराम शाखा, भारत विकास परिषद तथा नीमा, रेवाड़ी एनसीआर के संयुक्त तत्वावधान में चलाया अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, हरित भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्रीराम शाखा, भारत विकास परिषद तथा नीमा, रेवाड़ी एनसीआर के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन सेक्टर-1 स्थित विभिन्न पार्कों में आरडब्ल्यूए सेक्टर-1 के साथ तथा बारा पत्थर स्थित श्री श्याम बाबा मंदिर प्रांगण में मंदिर प्रबंधक कमेटी के साथ मिलकर किया गया, जिसमें कुल 170 पौधे रोपित किए गए।

इस अवसर पर न केवल सजावटी पौधों बल्कि फलदार, औषधीय एवं छायादार पौधों का भी रोपण किया गया, जिससे भविष्य में यह पौधे न केवल पर्यावरणीय लाभ देंगे बल्कि सामाजिक उपयोगिता भी सिद्ध करेंगे। इनमें गुलाब, अर्जुन, गुलमोहर, अमरूद, आंवला, अंगूर, गुड़हल, पाम आदि प्रमुख हैं। श्रीराम शाखा, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष सीए जतिन सैनी ने कहा कि आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है, ऐसे में वृक्षारोपण सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए जीवनदायिनी विरासत भी हैं। नीमा एनसीआर के महासचिव डॉ. दिनेश वर्मा ने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे। आज हमने जो पौधे लगाए हैं, वे भविष्य में एक बड़े वृक्ष का रूप लेंगे और पूरे समाज को लाभान्वित करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक सीए जितेश अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि यह एक संवेदनशील सामाजिक उत्तरदायित्व है, जिसे सभी को निभाना चाहिए। आरडब्ल्यूए के प्रधान रवींद्र यादव ने सभी स्वयंसेवकों, स्थानीय निवासियों और अन्य सहयोगी संगठनों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस अभियान को सफल बनाने में मदद की।

रेवाड़ी। पौधरोपण के लिए मौजूद सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी।

यह रहे कार्यक्रम में मौजूद

इस अवसर पर भारत विकास परिषद के प्रांतीय सहसंयोजक मुकेश सैनी, जिला समन्वयक डा. प्यारेलाल, डा. आरबी यादव, श्रीराम शाखा के सचिव सचिन सिंघल, सीए आशीष गुप्ता, सीए यश अरोड़ा, मोहित गोयल, पूजा सैनी, डॉ दीपक यादव, डा. प्रशांत यादव, सीए सुमित सतीजा, राहुल जैन, सीए निधि गौतम, सीएस उमेश गोयल, मुदित बंसल, नीमा रेवाड़ी एनसीआर से डा. सुरेंद्र अरोड़ा, डा. किरण शर्मा, डॉ के सी बत्रा, डा. लतेश अरोड़ा, डा. रमन शर्मा, डा. विकास कुमार, निरंजन लाल गुप्ता, पृथ्वी सिंह, संजीव गुप्ता, प्रवीण अग्रवाल, श्रीश्याम बाबा मंदिर से मनोज गुप्ता, आकाश गुप्ता, श्रीराम मित्तल, संजय बंसल, अनिल जांगिड़, राजीव गोयल, प्रवीण डाटा आदि उपस्थित रहे।